अभ्यास पत्रक

पाठ: 8 - नए मेहमान

नाम :- ..... कक्षा :- ..... अवधि :- ..... अनुक्रमांक :- ..... प्राप्तांक :- .....

---

1. निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही उत्तर चुनें। (5 अंक)

(i) पड़ोसी विश्वनाथ से क्यों झगड़ा करने आया था?

(क) क्योंकि मेहमान बहुत शोर कर रहे थे।

(ख) क्योंकि मेहमानों ने उसकी छत पर गंदा पानी फैला दिया था।

(ग) क्योंकि मेहमान उसकी खाट पर सो गए थे।

(घ) क्योंकि विश्वनाथ किराया नहीं दे रहा था।

(ii) अंत में पता चला कि नन्हेमल और बाबूलाल गलती से आ गए थे, उन्हें वास्तव में किसके घर जाना था?

(क) सेठ जगदीशप्रसाद के घर (ख) कविराज रामलाल वैद्य के घर

(ग) लाला संपतराम के घर (घ) किसी होटल में

(iii) गलत मेहमानों के जाने के बाद घर में कौन असली मेहमान बनकर आया?

(क) विश्वनाथ का भाई (ख) रेवती का भाई (ग) प्रमोद का दोस्त (घ) लाला संपतराम

(iv) असली मेहमान ने अपने आने की सूचना कैसे दी थी?

(क) पत्र लिखकर (ख) फोन करके

(ग) तार भेजकर (घ) किसी के हाथ संदेश भेजकर

(v) रेवती ने अपने भाई (असली मेहमान) के लिए खाना बनाने के बारे में क्या कहा?

(क) उसने गरमी के कारण मना कर दिया। (ख) उसने बाजार से मँगवाने को कहा।

(ग) वह तुरंत खुशी-खुशी खाना बनाने को तैयार हो गई। (घ) उसने कहा कि भैया भूखे ही सो जाएँगे।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दें। (5 अंक)

(i) मेहमानों ने खाने में क्या माँगा था?

उत्तर- .....

(ii) प्रमोद के अनुसार, पड़ोसी की स्त्री क्यों चिल्ला रही थी?

उत्तर- .....

(iii) विश्वनाथ ने मेहमानों को पहचानने के लिए उनसे क्या लाने के बारे में पूछा?

उत्तर- .....

(iv) असली मेहमान को विश्वनाथ का घर खोजने में कितनी देर लगी?

उत्तर- .....

(v) अपने भाई के आने पर रेवती ने प्रमोद को तुरंत क्या लाने के लिए भेजा?

उत्तर- .....

3. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दें। (3 x 2 = 6 अंक)

(i) नन्हेमल और बाबूलाल को यह कैसे पता चला कि वे गलत घर में आ गए हैं?

उत्तर- .....

.....

(ii) "पहले आत्मा फिर परमात्मा" - यह कहकर रेवती क्या कहना चाहती थी?

उत्तर- .....

.....

(iii) पड़ोसी के चरित्र की दो विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर- .....

.....

4. निम्नलिखित दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर विस्तार से दें। (4 अंक)

(i) एकांकी में रेवती के व्यवहार में आए परिवर्तन को स्पष्ट कीजिए। उसका व्यवहार पहले आए मेहमानों और बाद में आए अपने भाई के प्रति अलग-अलग क्यों था?

उत्तर- .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

उत्तर कुंजी (वर्कशीट - 2)

1. बहुविकल्पीय प्रश्न: (i) (ख) क्योंकि मेहमानों ने उसकी छत पर गंदा पानी फैला दिया था।
(ii) (ख) कविराज रामलाल वैद्य के घर
(iii) (ख) रेवती का भाई
(iv) (ग) तार भेजकर
(v) (ग) वह तुरंत खुशी-खुशी खाना बनाने को तैयार हो गई।

2. एक वाक्य में उत्तर: (i) मेहमानों ने खाने में साग, पूरी या पराँठे माँगे थे।
(ii) प्रमोद के अनुसार, मेहमानों ने दूसरी छत पर हाथ धो लिए और पानी फैल गया, इसीलिए पड़ोसी की स्त्री चिल्ला रही थी।
(iii) विश्वनाथ ने मेहमानों से पूछा कि क्या वे कोई चिट्ठी लाए हैं।
(iv) असली मेहमान को विश्वनाथ का घर खोजने में चार घंटे लगे।
(v) अपने भाई के आने पर रेवती ने प्रमोद को तुरंत बरफ लाने के लिए भेजा।

3. संक्षिप्त उत्तर: (i) जब विश्वनाथ ने जोर देकर पूछा और बताया कि वह न तो कविराज है और न ही वैद्य, तब मेहमानों को अपनी गलती का एहसास हुआ। प्रमोद ने बताया कि पिछली गली में एक कविराज वैद्य रहते हैं, यह सुनकर उन्हें समझ आ गया कि वे गलत पते पर आ गए हैं।
(ii) "पहले आत्मा फिर परमात्मा" कहकर रेवती यह कहना चाहती थी कि पहले अपना शरीर ठीक होना जरूरी है, फिर कोई दूसरा काम या धर्म-कर्म। चूँकि वह बीमार थी, इसलिए मेहमानों की सेवा करने से पहले उसे अपने स्वास्थ्य की चिंता थी।
(iii) पड़ोसी के चरित्र की दो विशेषताएँ हैं: वह असहिष्णु और झगड़ालू है, जो छोटी सी बात पर लड़ने आ जाता है। दूसरा, वह असंवेदनशील और असहयोगी है, जो मुसीबत में पड़े पड़ोसी की मदद करने के बजाय उन्हें देखकर प्रसन्न होता है।

4. दीर्घ उत्तरीय उत्तर: (i) एकांकी में रेवती के व्यवहार में एक बड़ा परिवर्तन दिखाई देता है जो मेहमानों की पहचान पर आधारित है।

- **पहले आए मेहमानों (नन्हेमल और बाबूलाल) के प्रति व्यवहार:** जब ये अजनबी मेहमान आते हैं, तो रेवती का व्यवहार चिड़चिड़ा और असहयोगी होता है। वह पहले से ही गरमी और सिरदर्द से परेशान है और इन अनजाने लोगों के लिए खाना बनाने से साफ इनकार कर देती है। वह कहती है, "पहले आत्मा फिर परमात्मा"। उसका यह व्यवहार स्वाभाविक है क्योंकि वह बीमार है और आए हुए लोग भी अपरिचित हैं।
- **बाद में आए भाई के प्रति व्यवहार:** जैसे ही उसका भाई (असली मेहमान) घर आता है, रेवती का व्यवहार पूरी तरह बदल जाता है। वह अपना सिरदर्द और परेशानी भूलकर तुरंत उसकी सेवा में लग जाती है। वह प्रमोद को बरफ लाने भेजती है और भाई के मना करने के बावजूद खुशी-खुशी उसके लिए खाना बनाने चली जाती है। वह कहती है, "भैया भूखे नहीं सो सकते"। यह परिवर्तन दर्शाता है कि रेवती मेहमान-नवाजी के खिलाफ नहीं है, बल्कि वह अपनों के प्रति स्नेह और कर्तव्य की भावना से भरी है। उसका पहला व्यवहार उसकी बीमारी और मेहमानों के अपरिचित होने की प्रतिक्रिया थी, जबकि दूसरा व्यवहार अपने सगे भाई के प्रति उसके प्रेम और अपनेपन को दर्शाता है।